दिन :
दिनांक :

पाठ :- १ दो बैलों की कथा

प्र० / उ० :-

१. कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी ?

उ०- कांजीहौस एक प्रकार से पशुओं की जेल थी। निम्नलिखित कारणों से पशुओं की हाजिरी ली जाती होगी :-

१. पशुओं की संख्या का ठीक - ठीक पता चलने के लि
२. पशुओं की सेहत की जानकारी रखने के लिए।
३. आवारा, उत्पात मचानेवाले पशुओं को अलग रखने

२. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया ?

उ०- छोटी बच्ची का बैलों के प्रति प्रेम उमड़ने के निम्नलिखित कारण हैं :-

१. छोटी बच्ची की माँ मर चुकी थी। वह माँ के बिछुड़ने का दर्द जानती थी। उसे लगा कि वह भी उसी की तरह अभागे हैं और अपने मालिक से दूर है।

PAGE NO.:
DATE: / /

२. छोटी बच्ची को उसकी सौतेली माँ सताती थी, और हीरा - मोती पर भी ऐसा ही अत्याचार हो रहा था।

३. कहानी में बैलों के माध्यम से कौन - कौन से नीति - विषयक मूल्य उभरकर आए हैं?

उ० - इस कहानी के माध्यम से निम्नलिखित नीति - विषयक मूल्य उभरकर सामने आए हैं :-

१. एकता में शक्ति होती है।

२. सच्चे मित्र मुसीबत के समय एक - दूसरे का साथ नहीं छोड़ते हैं।

३. समाज के सुखी - संपन्न लोगों को भी आज़ादी की लड़ाई में योगदान देना चाहिए।

४. आज़ादी बहुत बड़ा मूल्य है। इसे पाने के लिए मनुष्य को बड़े - बड़े कष्ट उठाने को तैयार रहना चाहिए।

५. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

उ० - निम्नलिखित बातों से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी :-

१. वे जब भी कोई काम करते तो, उस समय हर एक की चेष्टा होती कि ज्यादा - से - ज्यादा

बोझ मेरी ही गर्दन पर हो।

२. जब दोपहर या संध्या में वे खुलते तो एक-दूसरे को चाट-चाटकर अपनी थकान मिटाते।

३. नांद में जब खली-भूसा पड़ जाने के बाद, दोनों साथ में नांद में मुँह डालते और एक-साथ बैठते व हटाते भी एक-साथ थे।

४. मटर खाते समय मोती के पकड़े जाने पर हीरा भी वापस आ गया और दोनों ही कांजीहौस में बंदी बनाए गए।

५. 'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।'- हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उ०- हीरा के इस कथन से यह ज्ञात होता है कि उस समय समाज में स्त्रियों की स्थिति अच्छी नहीं थी। समाज में स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। उन्हें शारीरिक यातनाएँ दी जाती थी। वे पुरुषों द्वारा शोषित होती थी। इसलिए उनके कथन सभ्य समाज पर लागू होते हैं। लेखक नारियों के सम्मान के पक्षधर थे। वे स्त्रियों तथा पुरुषों की समानता के पक्षधर थे।

PAGE NO.:
DATE: / /

6. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

उ०- पशु आदिकाल से ही मनुष्यों के साथी रहे हैं। किसान के लिए पशुओं का प्रयोग करते हैं। किसान हल चलाने, बोझ ढोने, पानी खींचने तथा सवारी करने के लिए पशुओं का प्रयोग करते हैं। झूरी हीरा और मोती को बच्चों की तरह प्रेम करता था, वह उन्हें अपनी आँखों से दूर नहीं करना चाहता था। इससे पता चलता है किसान अपने पशुओं से मानवीय व्यवहार करते हैं। किसान पशुओं को घर के सदस्य की भांति प्रेम करते रहे हैं और पशु अपने स्वामी के लिए जी-जान देने को तैयार रहे हैं।

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :-

1. अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

उ०- हीरा और मोती गया के घर बंधे हुए थे। गया ने उनके साथ जो व्यवहार किया उसके लिए वह एक दूसरे को मन ही मन तसल्ली देते थे। वह बिना कोई बात कहे एक-दूसरे के

मन की बात समझ जाते थे। यद्यपि मनुष्य स्वयं को सब प्राणियों से श्रेष्ठ मानता है किंतु उसमें इतनी शक्ति नहीं होती कि वह एक दूसरों के मनोभावों समझ सके।

२. उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।

उ०- वह दोनों जब गया के घर बंधे हुए थे, गया ने उनके साथ अपमान पूर्ण व्यवहार किया था। परन्तु तभी एक नन्हीं लड़की ने आकर उन्हें एक रोटी ला दी। यद्यपि इससे हीरा-मोती की भूख कम नहीं हो सकती थी, तथापि उन्होंने बालिका के प्रेम का अनुभव कर लिया और प्रसन्न हो उ

८. कहानी में जगह-जगह मुहावरों का प्रयोग हुआ है। कोई पाँच मुहावरे छाँटिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उ०- १. जी तोड़ काम करना : भारतीय किसान जी तोड़ काम करते हैं।

२. टाल जाना : वह हर बार बात को टाल देता है।

३. जान से हाथ धोना : युद्ध में हजारों जवान जान से हाथ धो बैठते हैं।

PAGE NO.:
DATE: / /

4. नौ दो ग्यारह होना : पुलिस के आने की भनक लगते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

5. ईंट का जवाब पत्थर से देना : भारतीय सेना युद्ध में दुश्मनों को ईंट का जवाब पत्थर से देती है।